आर.एन.आई. नं.- MPHIN/2015/66655

साप्ताहिक समाचार पत्र

त्रिकाल दृष्टि

सच का दर्पण

वर्ष-2 अंक-3, भोपाल, सोमवार 13 से 19 फरवरी 2017 पृष्ठ- 8 मूल्य : 3.00 रूपये www.trikaldrishti.com

संक्षिप्त समाचार

गायत्री प्रजापति के खिलाफ दर्ज हो गैंगरेप की एफआईआर

नई दिल्ली। चुनाव से ठीक पहले समाजवादी पार्टी को बड़ा झटका लगा है. अखिलेश सरकार में मंत्री और अमेठी से पार्टी के उम्मीदवार गायत्री प्रजापति के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट ने गैंगरेप और यौन उत्पीड़न में एफआईआर दर्ज करने के आदेश दिए हैं. सर्वोच्च न्यायालय ने इस मुद्दे पर यूपी सरकार से आठ हफ्तों के भीतर जवाब मांगा है. प्रजापति इस समय यूपी कैबिनेट में ट्रांसपोर्ट मिनिस्टर हैं. 35 वर्षीय पीड़िता उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज न होने पर सुप्रीम कोर्ट गई थी. उसका कहना था कि उसके साथ गैंगरेप हुआ और उसकी बेटी का भी यौन उत्पीड़न किया गया. सुप्रीम कोर्ट ने इस मुद्दे पर तुरंत एफआईआर दर्ज करने के आदेश दिए हैं. गायत्री प्रजापति पर आय से अधिक संपति रखने, अवैध कब्जे, अवैध खनन सहित कई संगीन आरोप लग चुके हैं. कुछ महीने पहले उन्हें अखिलेश यादव ने मंत्रिमंडल से बर्खास्त कर दिया था।

कश्मीर में जारी हुई एडवाइजरी, मुठभेड़ वाली जगहों से दूर रहें लोग

श्रीनगर। जम्मू कश्मीर में प्रशासन ने आम लोगों को अपनी सुरक्षा का ध्यान रखते हुए आतंकी विरोधी अभियान वाली जगहों से दूर रहने की सलाह दी है. प्रशासन की सलाह सेना प्रमुख के उस बयान के बाद आया है, जिसमें उन्होंने आतंक रोधी अभियानों में रुकावट डालने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की चेतावनी दी थी. श्रीनगर, बड़गाम और शोपियां जिले में प्रशासन ने अपने निर्देश में कहा है कि मानव जीवन को नुकसान से बचने के लिए लोग उन जगहों के करीब ना जाएं, जहां सुरक्षा बलों और आतंकियों के बीच मुठभेड़ हो रही हो. इसके साथ प्रशासन ने जिले में आतंकी रोधी अभियान वाली जगहों के तीन किलोमीटर दायरे में प्रवेश निषेध कर दिया है।

पनीरसेल्वम खेमे ने शशिकला को पार्टी से हटाया

चेन्नई। जैसे को तैसा के तेवर अपनाते हुए ओ पनीरसेल्वम के खेमे ने शुक्रवार को अन्नाद्रमुक महासचिव वीके शशिकला और उनके दो संबंधियों को पार्टी के सिद्धांतों और आदर्शों के खिलाफ जाने के लिए पार्टी से हटा दिया। ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (एआईएडीएमके) की महासचिव वीके शशिकला द्वारा सप्ताह भर पहले पार्टी से बर्खास्त किए जाने के बाद इसके पूर्व प्रेजिडियम चैयरमैन ई. मधुसूदनन ने शुक्रवार को ऐसी ही एक कार्रवाई में शशिकला को पार्टी से निकाल दिया।

मिड डे मील में मिला मरा हुआ चूहा

नयी दिल्ली। दिल्ली स्थित एक सरकारी स्कूल में मिड डे मील खाने से कई बच्चे बीमार हो गये. हैरानी की बात यह है कि बच्चों के खाने में मरे हुए दो चूहे मिले. जिसकी खबर फैलते ही हड़कंप मच गया. बच्चों की हालत फिहलाल खतरे से बाहर बतायी जा रही है. सवाल खाना सप्लाई करने वाले एनजीओ पर उठ रहा है जिसको लेकर राजनीति भी शुरू हो गयी है. इन सबके बीच दिल्ली के शिक्षा मंत्री मनीष सिसोदिया ने घटना का संज्ञान लेते हुए केंडर के खिलाफ आपराधिक मामला दर्ज करवाने की बात कही है. मिड डे मील सप्लायर के खिलाफ एफआईआर करा रहे हैं। उसे ब्लैक लिस्ट भी करेंगे। बच्चो के मामले में इतनी बड़ी लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। घटना दिल्ली के देवली स्थित सर्वोदय विद्यालय की है. जहां स्कूल में दिया जाने वाला मिड डे मील खाने के बाद गुरुवार को कुछ बच्चे बीमार हो गए. दरअसल खाने में दो मरे हुए चूहे मिले थे.

रायबरेली पहुंचीं प्रियंका गांधी, राहुल बोले पीएम ने 'DDLJ' दिखाई, मिला 'गब्बर'

नई दिल्ली। यूपी के रायबरेली में चुनाव प्रचार के मकसद से प्रियंका गांधी वाड्रा अपने भाई कांग्रेस उपाध्यक्ष राहुल गांधी के साथ पहुंचीं. इस मौके पर राहुल गांधी ने बीजेपी और पीएम मोदी पर जमकर कटाक्ष किया. लेकिन प्रियंका गांधी बिना कुछ बोले कार्यक्रम से चली गईं. लोगों को उम्मीद थी कि प्रियंका पुराने अंदाज में लोगों को संबोधित करेंगी.

राहुल का मोदी पर वार : राहुल गांधी ने रैली को संबोधित करते हुए कहा कि कुछ महीने पहले कांग्रेस ने किसानों के मुद्दों पर पूरे उत्तर प्रदेश में यात्रा निकाली थी. उत्तर प्रदेश के दो करोड़ किसान पीएम मोदी से कर्जा माफी की अपील कर रहे हैं. मैंने पीएम मोदी से कर्जा माफ के लिए मुलाकात की, जब मैं उनसे मिलने गया तो उन्होंने किसानों की कर्जा माफी के लिए कुछ नहीं बोला.

उत्तर प्रदेश के चुनाव आते ही उन्होंने कहा कि बीजेपी की सरकार आते ही कर्जा माफ करने की बातें की. कांग्रेस पार्टी ने किसानों का 70 हजार करोड़ का कर्जा माफ किया था. तब हमारी उत्तर प्रदेश में सरकार नहीं थी. अगर पीएम मोदी चाहें तो 15 मिनट में कर्जा माफ कर सकते हैं. पीएम मोदी ने बिहार में चुनावों से पहले भी लाखों करोड़ों रुपये देने का वादा किया था, लेकिन चुनाव हारने के बाद उन्होंने बिहार को स्पेशल पैकेज नहीं दिया.

पीएम जहां जाते हैं, रिश्ता बनाते हैं : राहुल गांधी ने कहा कि पीएम मोदी जहां भी जाते हैं वहां रिश्ता बनाते हैं. बनारस गए तो कहा कि बनारस का बेटा हूं, गंगा मेरी मां हैं. उन्होंने बनारस को वादा किया था कि बनारस को मैं साफ कर दूंगा, लेकिन बनारस अभी भी साफ नहीं है. मीडिया वालों को पीएम मोदी से घबराहट होती है. मोदी जी ने कहा कि हिंदुस्तान गंदा है, यहां बहुत कचरा रहता है, ऐसा करते हैं कि मैं अमेरिका जा रहा हूं, ओबामा से मिलने और तुम लोग झाड़ू उठाकर सफाई कर लो. इससे पहले राहुल गांधी ने फतेहपुर में रैली के दौरान भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर हमले किए.

वादे पूरे करो सरकार : कांग्रेस उपाध्यक्ष ने मोदी को अपने वादे पूरे करने की नसीहत दी. राहुल गांधी का आरोप था कि पीएम ने अच्छे दिनों का वादा किया था, जो पूरा नहीं हुआ. उन्होंने कहा- '2014 में मोदीजी ने कहा अच्छे दिन आएंगे. दिलवाले दुल्हनिया वाली पिक्चर दिखाई, 2.5 साल बाद लगा गब्बर सिंह आ गया.'

निभाने से बनते हैं रिश्ते' : राहुल गांधी ने खुद को यूपी का गोद लिया हुआ बेटा बताने पर भी मोदी को आड़े हाथों लिया. उन्होंने कहा कि रिश्ते बोलने या जताने से नहीं बल्कि निभाने से बनते हैं. राहुल का आरोप था कि मोदी बिना सोचे-समझे काम करते हैं और उनके राज में आडवाणी और सुषमा स्वराज जैसे सीनियर नेताओं के पास कोई काम ही नहीं बचा है.

विधायकों की तनख्वाह बढ़ाने वाले केजरीवाल सरकार के बिल को मोदी सरकार ने लौटाया

नयी दिल्ली। केंद्र सरकार ने दिल्ली की अरविंद केजरीवाल की सरकार को करारा झटका देते हुए विधायकों की सैलरी बढ़ाने वाले प्रस्ताव को वापस लौटा दिया है. इसके बाद केंद्र और केजरीवाल के बीच विवाद और गहराने के आसार अधिक दिखाई दे रहे हैं. गृह मंत्रालय ने उपराज्यपाल अनिल बैजल के जरिये दिल्ली सरकार के विधायकों की तनख्वाह में इजाफा करने से जुड़े बिल को वापस लौटा दिया है. अरविंद केजरीवाल सरकार द्वारा दिल्ली के विधायकों की तनख्वाह बढ़ाने वाले विधेयक को केंद्र सरकार द्वारा लौटाने पर आम आदमी पार्टी के दूसरे सबसे बड़े नेता व दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की है. मनीष सिसोदिया ने कहा है कि डेढ़ दो साल पहले जितने बिल हमने भेजे थे, सबके साथ यही खेल खेलते हैं. उनको रोक रखा है. वे विधायक की तनख्वाह नहीं बढ़ा सकते हैं, लेकिन एमएलए करप्शन करते हैं, उनको खुली छूट दे रखी है. हमारे विधायक करप्शन नहीं करते हैं. हम तो कह रहे हैं कि विधायकों की तनख्वाह 12 हजार रुपये है, उसे बढ़ाकर 40-50 हजार रुपये कर दो, ताकि वे ठीक-ठाक जिंदगी जी लें.

सैमसंग के ओनर अरेस्ट, प्रेसिडेंट को 260 करोड़ की रिश्वत देने का आरोप

सियोल। 40 हजार करोड़ रुपए की कंपनी सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स के ओनर और वाइस चेयरमैन ली जे योंग उर्फ जे वाई ली को शुक्रवार को करप्शन केस में अरेस्ट कर लिया गया। आरोप है कि उन्होंने इम्पीचमेंट का सामना कर रहीं साउथ कोरिया के प्रेसिडेंट पार्क गुन हे को 40 मिलियन डॉलर (260 करोड़ रुपए) की रिश्वत देने की कोशिश की। इसके बदले में वो दो कंपनियों को मर्ज करने के लिए सरकार के जरूरी सपोर्ट चाहते थे। सैमसंग ने बयान जारी कहा है कि कंपनी ने कोई घूस नहीं दी, न ही कभी प्रेसिडेंट से मदद के लिए गुजारिश की। बढ़ सकती हैं कंपनी की मुश्किल... मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, सियोल कोर्ट में 10 घंटे तक सुनवाई के बाद योंग को गिरफ्तार किया गया। इसके बाद 48 साल के योंग से पूछताछ हुई। बता दें कि सैमसंग स्मार्टफोन और मेमोरी चिप बनाने वाली दुनिया की नामी कंपनियों में शुमार है। गैलेक्सी नोट 7 में आ रही खराबियों के बाद वापसी से कंपनी पहले ही मुश्किल में है।

दरगाह पर आईएस के हमले से तिलमिलाया पाकिस्तान

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के सिंध प्रांत में शहबाज कलंदर की दरगाह पर गुरुवार को हुए हमले के बाद सुरक्षा बलों ने पूरे देश में आतंकियों के खिलाफ सघन अभियान चलाया। इसमें कम से कम 35 आतंकी मारे गए। दरगाह पर हुए आत्मघाती हमले में 76 लोगों की मौत हो गई थी। जबकि सैकड़ों अन्य घायल हो गए थे। आईएस ने इस हमले की जिम्मेवारी ली है। देशव्यापी अभियानः सिंध रेंजर्स ने शुक्रवार को एक बयान जारी कर बताया कि दक्षिणी प्रांत में रातभर चले उनके अभियानों में 18 आतंकी मारे मारे गए। इनमें से सात आतंकी प्रांत के काठोर इलाके में अर्धसैन्यबलों से मुठभेड़ में मारे गए। जबकि 11 आतंकी कराची के मांघोपीर इलाके में छापेमारी के दौरान मारे गए। संघ प्रशासित कबायली क्षेत्र की ओरकजई एजेंसी में छह आतंकी मारे गए। खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के बन्नू शहर में पुलिस के साथ मुठभेड़ में चार आतंकी मारे गए। जबकि डेरा इस्माइल खान शहर में दो आंतकी मारे गए। पेशावर में तलाशी अभियान के दौरान तीन आंतकी मारे गए और दो आतंकी पंजाब प्रांत के सरगोधा शहर में मारे गए। कार्रवाई जारी रहेगी: पाकिस्तान के एक सरकारी अधिकारी ने कहा, देशभर से कई संदिग्ध गिरफ्तार किए गए हैं। अभियान आगे भी जारी रहेगा, क्योंकि सरकार ने आतंकवाद का सफाया करने का संकल्प लिया है। देश में सप्ताहांत से हुए आठ आतंकी हमलों के बाद संघीय और प्रांतीय सरकारों ने एक साथ कार्रवाई शुरू की है।

यूडीए का मकान लेने पर मिलेगा सस्ता कर्ज

सोलर लाइट सिस्टम लगाने पर भी बैंक देगी लोन

उज्जैन। अब लोगों को उज्जैन विकास प्राधिकरण से मकान लेने पर बैंक से सस्ता लोन मिल सकेगा। लोगों पर किस्तों का ज्यादा भार नहीं पड़ेगा और वे आसानी से कर्ज को चुका सकेंगे। मकानों पर सोलर लाइट सिस्टम लगाने पर भी बैंक द्वारा कर्ज दिया जाएगा। इससे प्राधिकरण के मकान भी सोलर लाइट से जगमगाते नजर आएंगे। आम लोगों को सस्ता कर्ज उपलब्ध कराने के लिए गुरुवार को प्राधिकरण प्रशासन और स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) के बीच चर्चा हुई। इसमें तय किया गया कि एसबीआई लोगों को यूडीए के मकान लेने पर सस्ता कर्ज उपलब्ध कराएगा। बैंक प्रबंधन द्वारा लोगों से सभी तरह के शुल्क नहीं लिए जाएंगे। साथ ही सोलर लाइट सिस्टम की लागत को होम लोन में जोड़कर कर्ज दिया जाएगा। सिस्टम लगाने के लिए सरकार की ओर से जो सबसिडी दी जाएगी, वह भी लोगों को मिलेगी। इससे प्राधिकरण के मकानों पर सोलर लाइट सिस्टम ज्यादा लगने की उम्मीद है। गुरुवार को प्राधिकरण अध्यक्ष जगदीश अग्रवाल व सीईओ अभिषेक दुबे की एसबीआई के उप महाप्रबंधक भोपाल शैलेष ठाकुर सहित अन्य बैंक अधिकारियों के साथ चर्चा हुई। बैठक में इस बात पर मंथन किया गया कि एलआईजी व ईडब्ल्यूएस मकानों पर बैंक द्वारा किस तरह कम ब्याज दर पर कर्ज उपलब्ध कराया जा सकता है। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत भी लोगों को कर्ज उपलब्ध कराने पर चर्चा की गई। बिजनेस डेवलपमेंट आफिसर (क्रिस्प) अरविंदकुमार मिश्रा ने प्राधिकरण को कम्प्यूटराइज्ड व ऑनलाइन सुविधाएं उपभोक्ताओं को उपलब्ध कराने संबंधी पॉवर पाइंट प्रजेंटेशन दिया। यूडीए अध्यक्ष अग्रवाल ने इसके लिए प्राधिकरण के कर्मचारियों को प्रशिक्षण देने का प्रस्ताव भी रखा। एसबीआई के सहायक महाप्रबंधक भोपाल संजय तिवारी, सहायक महाप्रबंधक उज्जैन राजेश चौरे, सहायक महाप्रबंध सेल विनय रेगे, मुख्य शाखा बुधवारिया के महाप्रबंधक योगेश चौहान, प्रबंधक दिलीप चौहान, प्रबंधक मार्केटिंग नीलेश चौरसिया, यूडीए के अधीक्षण यंत्री एसएस गुप्ता व सीपी मूंदड़ा मौजूद थे।

महिला से 92 हजार रुपए की ठगी

उज्जैन। लक्की ड्रॉ में लैपटॉप, मोबाइल व आर्टिफिशल ज्वेलरी के पार्सल देने के नाम पर महिला से 92 हजार रुपए की ठगी का मामला सामने आया है। महिला की शिकायत पर नानाखेड़ा पुलिस ने केस दर्ज किया है। पुलिस ने बताया कि महाकाल वाणिज्य केंद्र निवासी अमृत पति बलवीरसिंह कौर को ऑनलाइन लक्की ड्रॉ में लैपटॉप, आईफोन, आर्टिफिशल ज्वेलरी देने का लालच दिया गया। उसे एक व्यक्ति ने फोन कर अलग-अलग बार करीब 92 हजार रुपए बैंक खाते में डलवा लिए। मामले की जांच के बाद पुलिस ने केस दर्ज किया है।

एसपी को लिखा पत्र-शारीरिक परीक्षण नहीं करेंगे

उज्जैन। पहले से ही जिला अस्पताल में सरकारी चिकित्सकों की कमी है, उस पर पुलिस भर्ती के लिए मेडिकल परीक्षण से सेवाएं प्रभावित होने लगी हैं। सिविल सर्जन ने एसपी को पत्र लिखकर कहा है कि महकमा मेडिकल परीक्षण नहीं कर पाएगा। इस समय पुलिस विभाग की भर्ती चल रही है। मेडिकल परीक्षण जिला अस्पताल में कराए जाने से सिविल सर्जन परेशान हैं।

स्टीफन हॉकिंस से मिलती है शहर की स्वस्ति की कहानी

इंदौर। मशहूर भौतिक शास्त्री स्टीफन हॉकिंस की तरह मैं भी एक दुर्लभ बीमारी से पीड़ित हूं। 16 साल तक मैं एक आम लड़की की जिंदगी जी रही थी। इसके बाद वक्त ने कुछ ऐसी करवट ली जिसके बारे में मैंने या घरवालों ने कभी सोचा भी नहीं था। एक-एक कर मेरे बॉडी ऑर्गन जवाब देने लगे। डॉक्टर्स ने बताया कि मैं फीडीच एटैक्सिया (एफआरडीए) नामक दुर्लभ बीमारी से ग्रस्त हूं। ये एक न्यूरोडिजनरेटिव डिसऑर्डर है। जिसमें मरीज के अंग धीरे-धीरे काम करना बंद करने लगते हैं। इसका शुरुआती असर हाथों-पैरों पर पड़ा। उसके बाद धीरे-धीरे शरीर के भीतर के ऑर्गन्स भी ब्रेन के ऑर्डर समझने में नाकामयाब होने लगे। इन तमाम विपरीत परिस्थितयों के बावजूद मैंने पढ़ाई जारी रखी। एसजीएसआईटीएस से अप्लाइड मैथेमैटिक्स में एमएससी किया। उसके बाद मैं अपने अनुभवों और इंटरनेट के जरिए उसी बीमारी पर स्टडी करने लगी, जिसने मेरी जिंदगी बदलकर रख दी थी। पैरेंट्स की वजह से मैं तो इस बीमारी के साथ सर्वाइव कर गई मगर ये बिलकुल नहीं चाहती कि अब आगे किसी को ये बीमारी हो। क्योंकि ये सब बहुत तकलीफदेह होता है। ये आपबीती है जोश और जज्बे से लबरेज युवती स्वस्ति वाघ की जो गंभीर बीमारी से ग्रस्त होने के बावजूद किसी भी कीमत पर हिम्मत हारने को तैयार नहीं है। इसी बीमारी के बारे में अपनी जानकारियां साझा करने के लिए उसे इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन नैनोमेटेरियल एंड नैनोटेक्नोलॉजी में शिरकत करने के लिए बुलाया गया है।

शिवरात्रि उत्सवः दूल्हे राजा को धारण कराई शाही पगड़ी

उज्जैन। विश्व प्रसिद्ध ज्योतिर्लिंग महाकाल मंदिर में गुरुवार से शिवरात्रि उत्सव की शुरुआत हुई। पुजारियों ने राजाधिराज भगवान महाकाल को केसर, चंदन, हल्दी, सुगंधित द्रव्य लगाकर सोला, दुपट्टा, मेखला तथा शाही पगड़ी धारण कराकर दूल्हे रूप में श्रंगार किया।

नवरात्रि के नौ दिन भक्तों को अवंतिकानाथ के विभिन्न् रूपों में दर्शन होंगे। शिवरात्रि पर मध्यरात्रि के बाद भगवान के शीश पर सवा मन फूल तथा फल का मुकुट (सेहरा) धारण कराया जाएगा। पुजारियों ने सुबह नवैद्य कक्ष में भगवान चंद्रमौलेश्वर के बाद कोटितीर्थ कुंड के समीप स्थित श्री कोटेश्वर महादेव का अभिषेक-पूजन किया। इसके बाद गर्भगृह में 11 पंडितों ने एकदश-एकादशनी रुद्रपाठ से भगवान का अभिषेक-पूजन किया। भगवान को नवीन वस्त्र धारण कराकर मुंडमाला से श्रृंगार किया गया। नौ दिन तक श्रद्धालुओं को भगवान के शेषनाग, घटाटोप, छबीना, होल्कर, मनमहेश, उमा-महेश, शिवतांडव रूप में दर्शन होंगे। 28 फरवरी को चंद्र दर्शन की दूज पर भक्तों को महाकाल के पंचमुखारविंद रूप में दर्शन होंगे। साल में एक बार शिवरात्रि के बाद आने वाली फाल्गुन शुक्ल द्वितीया पर भक्तों को इस रूप में राजा के दर्शन होते हैं।

शादीशुदा को नाम बदलकर छेड़ा, पति ने की पिटाई

इंदौर। अन्नपूर्णा पुलिस ने एक मनचले को गिरफ्तार किया है। आरोपी शादीशुदा युवती को परेशान कर रहा था। उसने पहले नाम-पता बदलकर दोस्ती गांठी। पीड़िता के पति ने उसे पकड़ लिया और जमकर पीट दिया।

पुलिस के मुताबिक द्वारकापुरी निवासी 24 वर्षीय युवती की शिकायत पर आरोपी मोहसिन अली उर्फ अतुल शर्मा के खिलाफ छेड़छाड़ का केस दर्ज किया गया है। युवती होटल में जॉब करती है। आरोपी एमबीए की पढ़ाई पूरी कर चुका है। कुछ दिनों पूर्व मोहसिन ने अतुल शर्मा नाम बताया और युवती से दोस्ती कर ली। जैसे ही युवती को उसका असली नाम पता चला उससे बातचीत बंद दी। आरोपी उसका पीछा कर परेशान करने लगा। युवती ने पति को घटना बताई, जिसने बुधवार को उसे पकड़ कर पीट दिया। लोगों की मदद से उसे थाने के हवाले कर दिया।

जिला अस्पताल में महिला से छेड़छाड़ जिला अस्पताल के वार्ड 4 में एक मनचला घुस गया। यहां उसने भर्ती महिला मरीज और महिला अटेंडर के साथ अश्लील हरकत की। ज्वेलरी चुराने की कोशिश भी की। महिला ने शोर मचाया तो आरोपी गाड़ी लेकर फरार हो गया। घटना से अस्पताल में हड़कंप मच गया।

प्रतियागिता

28 फरवरी से 4 मार्च तक होने वाले उत्सव पर करीब 50 लाख रुपए खर्च किए जाएंगे

6 देशों ने अंतरराष्ट्रीय युवा उत्सव में आने की सहमति दी

इंदौर। देवी अहिल्या विश्वविद्यालय में 28 फरवरी से शुरू हो रहे पांच दिनी अंतरराष्ट्रीय युवा उत्सव में सात देशों ने आने की सहमति दी है। भूटान, नेपाल, मॉरीशस, अफगानिस्तान, श्रीलंका, बंगलादेश के विद्यार्थी अलग-अलग प्रतियोगिता में हिस्सा लेंगे, जबकि म्यांमार और मालदीप की अनुमति का विवि प्रशासन को इंतजार है। अधिकारियों के मुताबिक संभवत: अगले तीन-चार दिनों में इनकी स्थिति स्पष्ट हो जाएगी। वहीं पाकिस्तानी छात्रों ने इस उत्सव में भाग लेने से माना कर दिया है।

28 फरवरी से 4 मार्च तक होने वाले उत्सव पर करीब 50 लाख रुपए खर्च किए जाएंगे, जिसकी मंजूरी 27 जनवरी की कार्यपरिषद की बैठक में मिल चुकी है। पूरे आयोजन के लिए भारतीय विश्वविद्यालय संघ की तरफ से 5 लाख रुपए मिलेंगे। 9 देशों से करीब 300 विद्यार्थियों और अधिकारियों का दल आने वाला है। अलग-अलग देशों की टीम को रुकवाने के लिए विवि के सभी होस्टल में व्यवस्था कर दी है।

इन दिनों होस्टल में मरम्मत का काम किया जा रहा है। उत्सव के लिए चार सांस्कृतिक कार्यक्रम भी रखे गए है। हेमा मालिनी के अलावा रागिनी मखर का डांस समूह, अहमद हुसैन और मोहम्मद हुसैन की कव्वाली और नागपुर के रॉक बैंड की प्रस्तुति होगी।

विभागों से भी कहा करों सहयोग

हेमा मालिनी की डांस प्रस्तुति को विवि स्पॉन्सर्ड करवाने जा रहा है। मगर अब तक 25 लाख रुपए प्रायोजकों से जमा नहीं हुए है। सूत्रों के मुताबिक इस प्रस्तुति के लिए विभागों से भी सहयोग करने को कहा जा रहा है। बाकायदा इसके लिए बैठक हो चुकी है। कुछ बड़े विभागों के अकाउंट से रुपए ट्रांसफर करने को बोला है। कारण यह है कि बेहद कम कॉलेज संचालक इसमें दिलचस्पी ले रहे हैं। वहीं प्रस्तुति को लेकर विवि प्रशासन ने प्रायोजकों के लिए खाता नहीं खुलवाया है। उधर ऑडिटोरियम की बजाए खेल मैदान में प्रस्तुति रखने से भी विवाद खड़ा होता नजर आ रहा है।

किसी को टिकट करवाने का तो किसी को चाहिए मैगजीन का कांट्रेक्ट बाहर से आने वाले विद्यार्थियों के टिकट करवाने से लेकर युवा उत्सव की मैग्जीन का काम लेने के लिए एक ठेकेदार इन दिनों आयोजन समिति के प्रभारियों के चक्कर लगा रहा है। सूत्रों के मुताबिक विवि में काम करने के लिए ठेकेदार कुलपति के नाम तक का इस्तेमाल कर रहा है। मजबूरन समिति के प्रभारियों को बैठाकर बात करना पड़ रही है। बताया जाता है कि एक राजनीति पार्टी का भी सहारा लिया जा रहा है। कुलपति डॉ. नरेंद्र धाकड़ का कहना है कि ऐसे किसी भी व्यक्ति को कोई काम नहीं दिया जाएगा, जो गलत ढंग से मेरा नाम का इस्तेमाल कर रहा है।

प्रदेश में महिलाओं के लाइसेंस बनाने में इंदौर अव्वल

इंदौर। महिलाओं के ड्राइविंग लाइसेंस मुफ्त किए जाने के बाद महिलाओं ने लाइसेंस बनवाने में खासी जागरूकता दिखाई है। इंदौर में बीते एक साल में 25 हजार लर्निंग और 11 हजार पक्के लाइसेंस महिलाओं ने बनवाए हैं। यह आंकडा प्रदेश में सबसे ज्यादा है।

परिवहन विभाग के मुताबिक सिर्फ एक साल में ही एक लाख 67 हजार लर्निंग लाइसेंस के आवेदन सिर्फ महिलाओं से प्राप्त हुए हैं। इंदौर और भोपाल सबसे आगे रहे हैं। इंदौर में लर्निंग लाइसेंस और ड्राइविंग लाइसेंस के लिए महिला आवेदकों की संख्या क्रमश: 25420 और 11857 रही। वहीं भोपाल में लर्निंग और पक्के लाइसेंस के लिए महिला आवेदकों की संख्या 21994 और 11420 रही। छोटे शहरों से भी महिलाएं लाइसेंस बनवाने के लिए आगे आ रही हैं।

अलग से टेस्ट देने की व्यवस्था करेंगे

लाइसेंस बनवाने वालों में पहले केवल युवतियों की संख्या अधिक होती थी, लेकिन अब महिलाएं भी लाइसेंस बनवा रही हैं। हम उनके लिए अलग से टेस्ट देने की व्यवस्था भी कर रहे हैं। -एमपी सिंह, आरटीओ

हर घर में नल जल पहुँचाना लक्ष्य

ग्रामीण पेयजल कार्यक्रम में 1200 करोड़ रुपये होंगे व्यय

भोपाल। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि प्रदेश के हर घर में नल से जल पहुँचाना है। इसका रोड मेप बनाया जाये। उन्होंने समय सारणी बनाकर कार्रवाई के निर्देश दिये। श्री चौहान आज मंत्रालय में लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग की समीक्षा कर रहे थे। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री सुश्री कुसुम महदेले, मुख्य सचिव श्री बी.पी. सिंह भी मौजूद थे।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि कार्य समय-सीमा में पूर्ण होने चाहिए। कार्य-प्रणाली पारदर्शी और कार्य गुणवत्ता पूर्ण हो। उन्होंने सतही जल प्रदाय योजनाओं के लिये निविदा कार्य समय-सारणी बना करवाने के निर्देश दिये। उन्होंने ग्रीष्म ऋतु के मद्देनजर पेयजल आपूर्ति की अग्रिम तैयारियों की आवश्यकता बतायी। पेयजल की कठिनाइयों के कारणों और स्रोतों का सर्वेक्षण करवाया जाये। उन्होंने फ्लोराइड प्रभावित क्षेत्रों की पेयजल परियोजनाओं की समीक्षा के निर्देश दिये। मुख्यमंत्री हेल्प लाइन की समस्याओं के निराकरण में लोक स्वास्थ्य विभाग को प्रथम रहने पर बधाई दी। बैठक में बताया गया कि प्रदेश में अल्प वर्षा प्रभावित क्षेत्रों में पेयजल संकट निराकरण के लिये कार्य-योजना बन गई है। ऊँचाई वाले इलाकों और पर्वतीय क्षेत्र में नल-जल की सोलर योजनाएँ संचालित की जायेगी। हेंडपंप स्पेयर पार्टस एवं राईजर पाइप की उपलब्धता, हेंडपंप संधारण के लिये विशेष मोबाईल टीम और शिकायत निराकरण प्रकोष्ठ का गठन कर लिया गया है। इस वर्ष अप्रैल से जून माह के दौरान 8 हजार नवीन हेंड पंप खनन किये जायेंगे। ग्रामीण पेयजल कार्यक्रम में 1200 करोड़ रुपये व्यय होंगे। समूह जल प्रदाय की निर्माणाधीन 20 योजनाएँ मार्च 2018 तक पूर्ण हो जायेगी। कुल एक हजार 211 करोड़ रुपये की 6 योजनाएँ नाबार्ड और 4512 करोड़ रुपये की 9 योजनाएँ एन.डी.बी. के वित्तीय संयोजन से क्रियान्वित किया जाना प्रस्तावित है।

प्रदेश में 65 लाख स्कूल के छात्रों को 400 करोड़ की छात्रवृत्ति

भोपाल। मध्यप्रदेश में सरकारी स्कूल में पढ़ने वाले छात्रों को छात्रवृत्ति का भुगतान उनके बैंक खाते में एक साथ पहुँचे, इसके लिये स्कूल शिक्षा विभाग ने इस वर्ष 'मिशन वन क्लिक' योजना शुरू की है। योजना में कक्षा-1 से 12 में पढ़ने वाले विद्यार्थियों के खाते में छात्रवृत्ति पहुँचायी गयी है।

मुख्यमंत्री निवास पर 12 जनवरी को हुई विद्यार्थी पंचायत में 'मिशन वन क्लिक' के माध्यम से 65 लाख छात्र के बैंक खातों में 400 करोड़ की राशि एक साथ ट्रांसफर की गयी है। कार्यक्रम के जरिये प्रधानमंत्री के डिजिटल इण्डिया कार्यक्रम और डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर (डीबीटी) के लक्ष्य को हासिल किया गया। समेकित छात्रवृत्ति योजना में राज्य सरकार के 8 विभाग की 30 प्रकार की छात्रवृत्ति वितरित की गयी है। मिशन वन क्लिक एनआईसी के सहयोग से चलाया जा रहा है। इसमें विद्यार्थियों को ऑनलाइन छात्रवृत्ति स्वीकृति एवं वितरण की जानकारी को समग्र शिक्षा पोर्टल पर डाला गया है। छात्रवृत्ति स्वीकृति एवं वितरण की सभी जानकारी पोर्टल पर पब्लिक डोमेन पर भी उपलब्ध है। छात्र अथवा पालक पोर्टल पर विद्यार्थी की समग्र आई.डी. दर्ज कर छात्रवृत्ति वितरण की स्थिति की जानकारी ले सकते हैं। देशभर में पहला ऐसा मौका है, जब किसी स्थान पर इतने अधिक विद्यार्थी को एक साथ इतनी बड़ी राशि हस्तांतरित की गयी है। जिन 8 विभाग को मिशन वन क्लिक में शामिल किया गया है, उनमें अनुसूचित-जाति, अनुसूचित-जनजाति, पिछड़ा वर्ग अल्पसंख्यक कल्याण, सामाजिक न्याय, घुमक्कड़, अर्द्ध-घुमक्कड़, भवन-सह-निर्माण कर्मकार मण्डल, कृषि मण्डी और सामाजिक न्याय विभाग प्रमुख हैं। मिशन वन क्लिक योजना में इस वर्ष 82 लाख छात्रों को 500 करोड़ की छात्रवृत्ति की स्वीकृति दी गयी है। 400 करोड़ की राशि छात्रों के खाते में पहुँच गयी है। खातों की त्रुटि सुधारने के बाद शेष राशि भी छात्रों को उनके बैंक खातों में शीघ्र पहुँचायी जा रही है।

बजट सत्र सरकार के कार्यों से अवगत कराने का अवसर

भोपाल। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि विधानसभा का बजट सत्र सरकार के जन-कल्याण और विकास कार्यों से आमजन को अवगत कराने का उपयुक्त अवसर है। उन्होंने कहा कि विधानसभा की विभिन्न विधाओं के माध्यम से सरकार की उपलब्धियों से सदन को अवगत कराया जा सकता है। श्री चौहान आज मंत्रालय में विधानसभा के आगामी बजट सत्र की तैयारियों की समीक्षा कर रहे थे। इस अवसर पर मुख्य सचिव श्री बी.पी. सिंह भी मौजूद थे।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि विधानसभा सरकार की जवाबदेहीता तय करती है। विधानसभा को पूरी गंभीरता और सावधानी के साथ पूर्ण जानकारियाँ उपलब्ध करवायें। सभी जानकारियाँ समय-सीमा में भेजी जायें। जानकारियाँ तथ्यों के साथ और विश्लेषणात्मक हों। उन्होंने निर्देशित किया कि आगामी सत्र में प्रस्तुत किये जाने वाले विधेयक समय-सीमा में विधानसभा में प्रस्तुत हो जायें। इसे सुनिश्चित किया जाये। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने 50 विभाग के प्रमुख सचिवों से चर्चा कर तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने विभागवार लंबित शून्य-काल, प्राप्त प्रश्नों, आश्वासन और लोक लेखा समिति की कंडिकाओं की समीक्षा की।

नर्मदा नदी के 100 किलोमीटर की परिधि में जल-परिवहन शुरू होगा

भोपाल। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि नर्मदा नदी की 100 किलोमीटर की परिधि में जल-परिवहन शुरू किया जायेगा। उन्होंने कहा कि 31 मार्च के बाद नर्मदा तट के 5 किलोमीटर परिधि की शराब की दुकानें बंद कर दी जायेंगी। श्री चौहान ने यह भी कहा कि अब रेत का अवैध उत्खनन करने पर पकड़े गये वाहनों को राजसात कर लिया जायेगा। श्री चौहान आज 'नमामि देवि नर्मदे'-सेवा यात्रा के दौरान बड़वानी जिले के ग्राम मोहीपुरा के नर्मदा तट पर जन-संवाद को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने सपत्नीक यात्रा की अगवानी की और यात्रियों का स्वागत किया। छत्तीसगढ़ की बोहरा समाज की बालिका और समाज बंधु हुए यात्रा में शामिल छत्तीसगढ़ से आयी सुश्री नेहा परवीन का मुख्यमंत्री ने जन-संवाद में सम्मान किया। बोहरा समाज की यह बालिका अपने समाज के लोगों के साथ ध्वज और कलश लेकर नर्मदा तट की पद-यात्रा कर रही है।कार्यक्रम में पशुपालन एवं पर्यावरण मंत्री श्री अंतर सिंह आर्य, सांसद श्री सुभाष पटेल, अनुसूचित-जाति आयोग के अध्यक्ष एवं यात्रा प्रभारी श्री भूपेन्द्र आर्य, महाराष्ट्र से आये जल-विशेषज्ञ श्री सुरेश खातापुरकर, नेपाल के डॉ. सुबोध शर्मा और विधायक श्री देवी सिंह पटेल सहित नागरिक और जन-प्रतिनिधि उपस्थित थे। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि नर्मदा नदी भारत की हृदय-रेखा है। नर्मदा संस्कृति की जीवन-धारा है। इस नदी के तट पर अनेक सभ्यता और संस्कृति ने जन्म लिया है।

पहल

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने सातों मिशन के स्वरूप पर की चर्चा

नये मिशनों के गठन की प्रक्रिया एक सप्ताह में पूरी करें

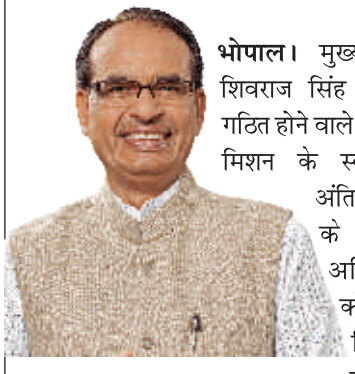

भोपाल। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने गठित होने वाले सभी सातों मिशन के स्वरूप को अंतिम रूप देने के लिये अधिकारियों को निर्देशित किया है। उन्होंने एक सप्ताह में इन मिशनों के गठन की प्रशासनिक प्रक्रिया पूरी करने, उनके लक्ष्य तय करने और उन्हें हासिल करने का रोड मेप बनाने के निर्देश दिये हैं।

श्री चौहान ने मुख्यमंत्री निवास में युवा सशक्तिकरण मिशन, स्वास्थ्य मिशन, आवास मिशन, कृषि वानिकी मिशन, सूक्ष्म सिंचाई मिशन, नर्मदा सेवा मिशन एवं कैशलेस मिशन के स्वरूप पर अधिकारियों से चर्चा की। उन्होंने निर्देशित किया कि इन मिशनों का स्वरूप तय कर आवश्यक बजट का प्रावधान किया जाये। उन्होंने कहा कि ये मिशन गठित करने का उद्देश्य विकास एवं जन-कल्याण के कार्यों को अभियान के रूप में लेना है। जिससे ये कार्य निश्चित समय-सीमा में पूरे हो सके। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने नर्मदा सेवा मिशन के स्वरूप पर चर्चा करते हुए कहा कि नर्मदा सेवा यात्रा से लोगों की मानसिकता बदलने में अभूतपूर्व सफलता मिली है। इसे उन्होंने नर्मदा जयंती के अवसर पर प्रत्यक्ष रूप से देखा जहाँ कि लोगों ने फूल-पत्ती एवं पूजन सामग्री नर्मदा नदी में प्रवाहित नहीं की और प्लास्टिक का उपयोग भी नहीं किया। यह अद्भुत कार्य हुआ है। उन्होंने यात्रा के उद्देश्यों की प्राप्ति का रोड मेप 11 मई के पहले तैयार करने के निर्देश दिये। साथ ही कहा कि ओंकारेश्वर के ओंकार पहाड़ एवं अमरकंटक पहाड़ पर जुलाई माह में एक ही दिन में वृक्षारोपण करने की तैयारी की जाये। जिन गाँवों से यात्रा निकल चुकी है वहाँ की नर्मदा सेवा समितियों की बैठक ली जाये और उन्हें लक्ष्य दिये जाये।

सूक्ष्म सिंचाई मिशन पर चर्चा करते हुए मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि यह मिशन खेती-किसानी के परिदृश्य को बदलेगा। इससे किसानों की आमदनी में बढ़ोत्तरी होगी। इस मौके पर बताया गया कि युवा सशक्तिकरण मिशन का उद्देश्य स्व-रोजगार एवं रोजगार के माध्यम से युवाओं का आर्थिक सशक्तिकरण करना है। स्वास्थ्य मिशन का उद्देश्य मातृ एवं शिशु मृत्यु दर को कम करना तथा कुपोषण नियंत्रण के ठोस उपाय करना है। कृषि वानिकी मिशन के अंतर्गत किसानों की आय बढ़ाने की दिशा में काम किये जायेंगे।

प्राथमिकता के कार्यों को शीघ्र मूर्त रूप दे

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने शासन के प्राथमिकता के कार्यों को निश्चित समय-सीमा में मूर्तरूप देने के निर्देश दिये। इनमें मेधावी छात्र योजना, आवासहीनों को भूखण्ड प्रदाय, सभी गाँवों को वर्ष 2018 के अंत तक बारहमासी सड़कों को जोड़ना, स्व-रोजगार और प्लेसमेंट पोर्टल बनाना, दीनदयाल रसोई शुरू करना, महिला स्व-सहायता समूहों का सशक्तिकरण करना एवं नागरिक सेवाओं को मोबाइल एप से जोड़ना आदि शामिल है।

सोलर बिजली की सस्ती दर आने पर बधाई

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने रीवा में स्थापित हो रही दुनिया की सबसे बड़ी अल्ट्रा मेगा सोलर परियोजना की सोलर बिजली दर देश में सबसे कम तय होने पर अधिकारियों को बधाई दी। उन्होंने सोलर बिजली की दर 2 रूपये 97 पैसे प्रति यूनिट आने पर नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा विभाग को बधाई दी। इस अवसर पर मुख्य सचिव श्री बी.पी.सिंह ने सोलर बिजली दरें निर्धारित करने की टेंडर प्रक्रिया की जानकारी दी।

बैठक में मुख्य सचिव श्री बी.पी.सिंह, अपर मुख्य सचिव वित्त श्री ए.पी.श्रीवास्तव, कृषि उत्पादन आयुक्त श्री पी.सी.मीणा, अपर मुख्य सचिव वन श्री दीपक खाण्डेकर, पंचायत एवं ग्रामीण विकास श्री राधेश्याम जुलानिया, नर्मदा घाटी विकास श्री रजनीश वैश्य तथा प्रमुख सचिव लोक स्वास्थ्य, नगरीय प्रशासन, सिंचाई, उद्योग आदि उपस्थित थे।

सम्पादकीय

शिक्षा के जरिये युवाओं को मिले बेहतर अवसर

मध्यप्रदेश में पिछले 11 वर्ष में स्कूल शिक्षा में गुणवत्ता सुधार की तरफ विशेष ध्यान दिया गया है। इसका असर यह हुआ है कि मध्यप्रदेश के युवाओं को उच्च शिक्षण संस्थानों में अध्ययन करने के बेहतर अवसर मिले हैं। मध्यप्रदेश की सामाजिक एवं सांस्कृतिक विभिन्नता की पृष्ठभूमि को ध्यान में रखते हुए शिक्षा के क्षेत्र के विकास के लिये प्रभावी प्रयास किये गये हैं। नि:शुल्क एवं अनिवार्य बाल शिक्षा अधिकार अधिनियम के जरिये प्रायवेट स्कूलों में वंचित वर्ग के बच्चों के लिये न्यूनतम 25 प्रतिशत सीट पर प्रवेश सुनिश्चित किया गया है। अब तक करीब 8 लाख 60 हजार बच्चों को नि:शुल्क प्रवेश दिलाया गया है। प्रदेश का हर बच्चा स्कूल जा सके, इसके लिये प्रतिवर्ष जन-भागीदारी के माध्यम से स्कूल चलें हम अभियान को व्यापक जन-आंदोलन का रूप दिया गया है।

शाला त्याग दर में 15 फीसदी की हुई कमी : प्रदेश में वर्ष 2005 में प्राथमिक-स्तर पर शाला त्याग दर 21.4 प्रतिशत थी, जो घटकर वर्ष 2015-16 में 6.1 प्रतिशत रह गयी। माध्यमिक-स्तर पर शाला त्याग दर में भी कमी आयी है। वर्ष 2005 में यह दर 21.5 प्रतिशत हुआ करती थी, जो वर्ष 2015-16 में घटकर 9.5 प्रतिशत रह गयी। इसका प्रमुख कारण स्कूल चलें हम अभियान रहा। अभियान की सफलता के लिये गाँव-गाँव तक 75 हजार प्रेरक को जोड़ा गया। प्रदेश में कक्षा एक से 5 तक के 83 हजार 890 प्राथमिक, 30 हजार 341 माध्यमिक शाला, 4751 हाई स्कूल और 3756 हायर सेकेण्डरी स्कूल सरकारी स्तर पर संचालित किये जा रहे हैं। करीब 34 हजार विद्यालय निजी क्षेत्र में संचालित हो रहे हैं।

प्रोत्साहन योजना: प्रदेश के सरकारी स्कूलों में बच्चे मन लगाकर पढ़ सकें, इसके लिये राज्य सरकार ने अनेक प्रोत्साहन योजनाओं की शुरूआत की। नि:शुल्क पाठ्य-पुस्तक योजना में कक्षा एक से 12 तक सभी सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चों को नि:शुल्क पाठ्य-पुस्तकें उपलब्ध करवायी जा रही हैं। पिछले 11 वर्ष में करीब 11 करोड़ बच्चों को नि:शुल्क पाठ्य-पुस्तकें उपलब्ध करवायी गयीं। नि:शुल्क साइकिल योजना में कक्षा 9 में पढ़ने वाले ऐसे छात्रों, जिनके गाँव में स्कूल नहीं है, उन्हें साइकिल उपलब्ध करवायी गयी। ऐसे छात्र, जो कक्षा 5 पास कर कक्षा 6 में प्रवेश लेते हैं और उनके गाँव में माध्यमिक शाला नहीं है, तो उन्हें भी स्कूल शिक्षा विभाग की ओर से साइकिल उपलब्ध करवायी जा रही है। वर्ष 2009-10 से प्रतिभाशाली विद्यार्थियों के लिये लेपटॉप देने की योजना शुरू की गयी। कक्षा 12 में माध्यमिक शिक्षा मण्डल की बोर्ड परीक्षा में 85 प्रतिशत अंक प्राप्त करने वाले बच्चों को लेपटॉप दिये जा रहे हैं। वर्ष 2016 में करीब 17 हजार 900 प्रतिभाशाली बच्चों को लेपटॉप उपलब्ध करवाये गये।

गुणवत्ता सुधार के लिये किये गये कार्य : राज्य में स्कूल शिक्षा गुणवत्ता सुधार की तरफ भी विशेष ध्यान दिया गया है। कक्षा एक और दो में पढ़ाने वाले शिक्षकों को दक्ष करने के लिये विशेष प्रशिक्षण दिलवाया गया। इसके अलावा सरकारी स्कूलों में पढ़ाने वाले शिक्षकों को नियमित रूप से डाइट के माध्यम से प्रशिक्षण दिये जाने की व्यवस्था की गयी है। सर्वशिक्षा अभियान में माध्यमिक-स्तर के शिक्षकों और विद्यार्थियों के लिये कम्प्यूटर आधारित प्रशिक्षण दिलवाये जाने के लिये हेड-स्टार्ट कार्यक्रम 3052 शाला में चलाया जा रहा है। सूचना प्रौद्योगिकी विभाग के सहयोग से राज्य की करीब 1450 सरकारी माध्यमिक शाला में स्मार्ट क्लास की स्थापना की गयी है। सरकारी स्कूल में विज्ञान विषय में बच्चों की रुचि जागृत करने के लिये 12 हजार 800 मिडिल शालाओं में गणित तथा विज्ञान किट की व्यवस्था की गयी है। सभी प्राथमिक और माध्यमिक शालाओं में लायब्रेरी की स्थापना की गयी है। शिक्षकों की गुणवत्ता के लिये अजीम प्रेमजी फाउण्डेशन के साथ कार्यशालाओं का आयोजन किया गया है। आईआईएम लखनऊ के सहयोग से शिक्षा प्रशासकों और प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण भी आयोजित किया जा चुका है।

प्रतिभा पर्व : स्कूल शिक्षा की गुणवत्ता का निरंतर अध्ययन करने के लिये विभाग द्वारा प्रतिभा पर्व कार्यक्रम किया जा रहा है। प्रतिभा पर्व का उद्देश्य स्कूल शिक्षा की गुणवत्ता की सही स्थिति का आकलन करना और बच्चों की शैक्षणिक उपलब्धियों के प्रति शिक्षकों, शिक्षा प्रशासन और जन-प्रतिनिधियों को उत्तरदायी बनाना है। इस कार्यक्रम का मुख्य बिन्दु गुणवत्ता का आकलन थर्ड पार्टी के माध्यम से करवाना है। शिक्षा की गुणवत्ता सुधार के लिये 'शाला सिद्धि-हमारी शाला ऐसी हो' कार्यक्रम भी संचालित किया जा रहा है। इस कार्यक्रम के जरिये बच्चों को कक्षाओं में भयमुक्त और आनंददायी वातावरण उपलब्ध करवाना है। इसके लिये करीब 3100 संकुल पर स्कूलों का चयन किया गया है। प्रदेश में बच्चे आज के दौर के हिसाब से प्रतिस्पर्धा का सामना कर सकें, इसके लिये इंगलिश मीडियम की शासकीय शालाओं की शुरूआत भी की गयी है। इसके साथ ही ब्रिटिश काउंसिल के माध्यम से उज्जैन संभाग और सीहोर जिले में शिक्षकों को अंग्रेजी भाषा का प्रशिक्षण दिलवाया गया है। आने वाले दो वर्ष में करीब 50 हजार शिक्षक को इस तरह का प्रशिक्षण दिलवाया जायेगा।

अधोसंरचना विकास : सर्वशिक्षा अभियान में एक लाख 26 हजार 816 अतिरिक्त कक्ष, 27 हजार प्राथमिक शाला, 19 हजार 800 माध्यमिक शाला भवन का निर्माण किया गया। इसके साथ ही 12 हजार 460 हेडमास्टर कक्ष, 18 हजार 650 पेयजल सुविधा और 322 बीआरसी भवन का निर्माण किया गया। विद्युत कनेक्शन विहीन शालाओं में बिजली पहुँचाने के लिये मुख्यमंत्री शाला ज्योति योजना बनायी गयी है।

- पराग वराडपांडे

नर्मदा और सहायक नदियाँ प्रदेश में स्थाई परिवर्तन की संवाहक बनी

भोपाल। नर्मदा और उसकी सहायक नदियों में उपलब्ध जल राशि का विकास में उपयोग करने के लिये पिछले 11 वर्षों में जो योजनाबद्ध प्रयास हुए उनसे नर्मदा और उसकी सहायक नदियाँ मध्यप्रदेश के एक बडे भू-भाग में स्थाई परिवर्तन की संवाहक बनी है। उल्लेखनीय है कि मध्यप्रदेश की जीवन-रेखा नर्मदा प्रदेश के अनुपपूर जिले में अमरकण्टक पर्वत माला से निकलकर मध्यप्रदेश की सीमा तक 1077 किलोमीटर प्रवाहित होती है। प्रदेश के 16 जिले इसके प्रवाह क्षेत्र में आते हैं। मध्यप्रदेश में अपनी यात्रा में 39 प्रमुख सहायक नदियाँ नर्मदा से मिलती हैं। अमरकण्टक से निकलने के बाद नर्मदा के मुख्य प्रवाह पर रानी अवंतीबाई सागर परियोजना बांध निर्मित है। बांध की बाँयी मुख्य नहर से जबलपुर तथा नरसिंहपुर जिले में 1 लाख 57 हजार हेक्टेयर रकबा सिंचित होगा। वर्तमान में 1 लाख 20 हजार हेक्टेयर क्षेत्र सिंचित हो रहा है। बांध की दाँयी मुख्य नहर से जबलपुर, कटनी, रीवा और सतना जिलों में 2 लाख 45 हजार हेक्टेयर क्षेत्र सिंचित होगा। सिंचाई का यह विस्तार इन जिलों में कृषि क्षेत्र में क्रांतिकारी परिवर्तन लाने की ओर अग्रसर है। परियोजना जलाशय मछली उत्पादन के स्थाई लाभ के साथ ही 100 मेगावाट बिजली उत्पादन का लाभ भी दे रहा है। जलाशय से 175 मीट्रिक टन औसत मछली उत्पादन हो रहा है।

मुख्य नदी पर इसके आगे चिंकी सिंचाई योजना का निर्माण होगा। चिंकी उद्वहन प्रणाली रायसेन और नरसिंहपुर जिलों में 1 लाख 4 हजार हेक्टेयर कृषि रकबा सिंचित करेगी। चिंकी उद्वहन प्रणाली के आगे नर्मदा का प्रमुख इंदिरा सागर बांध जलाशय निर्मित है। इस विशाल जलाशय की जलसंग्रह क्षमता 12.2 अरब घनमीटर है। इंदिरा सागर परियोजना से खरगोन, खण्डवा और बड़वानी जिलों का करीब सवा लाख हेक्टेयर रकबा सिंचित होगा। वर्तमान में मुख्य नहर से एक लाख हेक्टेयर से अधिक रकबा सिंचित हो रहा है। जलाशय से प्रति वर्ष औसतन 2 हजार 300 मीट्रिक टन मछली उत्पादन के साथ ही 1000 मेगावाट बिजली उत्पादन किया जा रहा है।

इंदिरा सागर जलाशय के बाद नर्मदा पर ओंकारेश्वर परियोजना बांध जलाशय निर्मित है। परियोजना से 1 लाख 48 हजार हेक्टेयर सिंचाई क्षमता खरगोन, धार तथा खण्डवा जिलों में निर्मित होगी। वर्तमान में एक लाख हेक्टेयर रकबा सिंचित हो रहा है। जलाशय से 520 मेगावाट बिजली उत्पादन के साथ ही प्रति वर्ष औसतन 12 मीट्रिक टन मछली उत्पादन हो रहा है। ओंकारेश्वर के बाद 400 मेगावाट बिजली उत्पादन क्षमता की महेश्वर जल विद्युत उत्पादन योजना बनकर तैयार है।

12 सहायक नदियों पर भी योजनाएँ निर्माणाधीन

अमरकण्टक से उदगम के बाद नर्मदा से मिलने वाली मुख्य सहायक नदी हालोन पर मण्डला जिले में हालोन सिंचाई बांध परियोजना निर्माणाधीन है। इससे मण्डला जिले में 13 हजार हेक्टेयर कृषि रकबा सिंचित होगा। इसके आगे मण्डला जिले में ही नर्मदा की सहायक मटियारी नदी पर मटियारी योजना 10 हजार 120 हेक्टेयर सिंचाई का लाभ दे रही है। इसके आगे नर्मदा की सहायक शक्कर नदी पर प्रस्तावित योजना नरसिंहपुर छिन्दवाड़ा जिलों को 64 हजार 700 हेक्टेयर सिंचाई का लाभ देगी। इसके आगे नर्मदा से मिलने वाली बारना नदी पर निर्मित बांध जलाशय रायसेन तथा सीहोर जिलों में 60 हजार हेक्टेयर रकबा सिंचित कर रहा है। अगले पड़ाव पर होशंगाबाद जिले में नर्मदा की सहायक दूधी नदी पर 50 हजार हेक्टेयर क्षमता की सिंचाई योजना प्रस्तावित है। इसके आगे सीहोर जिले में 33 हजार हेक्टेयर सिंचाई क्षमता की सहायक नदी कोलार पर होशंगाबाद, हरदा जिलों में 2 लाख 42 हजार हेक्टेयर सिंचाई क्षमता की तवा परियोजना लाभ दे रही है। होशंगाबाद जिले में ही नर्मदा की सहायक मोरण्ड और गंजाल नदियों पर 52 हजार हेक्टेयर कमाण्ड क्षेत्र निर्मित करने वाली सिंचाई योजनाओं का निर्माण होगा।

सहायक नदियों के जल उपयोग के क्रम में सुक्ता नदी पर निर्मित सिंचाई योजना खण्डवा जिले में 16 हजार हेक्टेयर रकबा सिंचित कर रही है। वहीं खरगोन जिले में नर्मदा की सहायक बेदा नदी पर निर्मित परियोजना से 10 हजार हेक्टेयर सिंचाई का लाभ मिल रहा है।

SAAP SOLUTION
Explore New Digital World
- All Types of Website Designing
  - Business Promotion, Lease Website
  - Industrial Product Promotion through industrialproduct.in
  - Get 2GB corporate mail account @ Rs 1500/- Per Annum per mail account with advance sharing feature
- Logo Designing by Experts
- Bulk SMS Services

For more details visit our website saapsolution.com
For enquires contact on 9425313619,
Email: info@saapsolution.com

दालचीनी खाने का फायदा, एग्जाम में आते हैं अच्छे नंबर !

अगर आपका बच्चा स्लो लर्नर है. उसे कुछ भी याद रखने में काफी मुशकिल होती है. याद हो भी जाए तो कुछ ही दिनों में उसे भूल जाता है.

यूं तो ये सामान्य बात है लेकिन मां-बाप अक्सर ऐसे बच्चों की तुलना दूसरे बच्चों से करने लग जाते हैं. पर उन्हें ये समझना चाहिए कि हर बच्चा एक-सा नहीं हो सकता है. हर बच्चे की अपनी फीजिकल और मेंटल ग्रोथ होती है. वो उसी के अनुसार, बढ़ता है. ऐसे में अपने बच्चे को कमतर आंकना गलत है.

पर एक हालिया अध्ययन में यह बात सामने आई है कि बच्चे को हर रोज कुछ मात्रा में दालचीनी देकर आप उनके मानसिक विकास को बेहतर बना सकते हैं. यह शोध अमेरिका की शिकागो यूनिवर्सिटी में किया गया है.

शोध की रिपोर्ट में पाया गया है कि दालचीनी के सेवन से स्मरण शक्ति बेहतर होती है. ये शोध चूहों पर किया गया है.

ऐसे में जब परीक्षा नजदीक है और आप बोर्ड एग्जाम में अच्छे अंकों के साथ पास होना चाहते हैं तो यह दालचीनी आपकी इसमें मदद कर सकती है. जानिये कैसे...

बच्चों को स्मार्ट बनाती है दालचीनी

1. दालचीनी में पोलीफेनॉल नाम का एंटीऑक्सिडेंट होता है जो दालचीनी को सुपरफूड का दर्जा दिलाता है.

2. दालचीनी खून में ग्लूकोज के स्तर को सामान्य बनाने में मददगार साबित होता है.

3. इसे खाने से शरीर में खराब कोलेस्ट्रॉल और ट्रिग्लीसेराइड्स का स्तर कम होता है. इसकी वजह से उच्च वसायुक्त भोजन का प्रभाव कम हो जाता है.

4. दालचीनी खाने से प्रतिरोधक क्षमता मजबूत होती है. इसकी वजह से संक्रामक रोगों का खतरा कम हो जाता है.

स्टडी: बच्चों के लीवर पर भारी पड़ सकता है पिज्जा और बर्गर

बच्चे अक्सर पिज्जा, बर्गर आदि जैसे फास्टफूड खाने की जिद करते हैं. पर उनका ये जिद उनकी सेहत पर भारी पड़ सकता है.

हालिया अध्ययन की रिपोर्ट में यह दावा किया गया है कि फास्टफूड के नाम पर बिकने वाली पिज्जा और बर्गर जैसी चीजें बच्चों को लीवर की खतरनाक बीमारियां दे सकती हैं.

यह अध्ययन इटली के बैबिनो गेसू हॉस्पिटल द्वारा किया गया है. अध्ययन की रिपोर्ट के अनुसार उच्च नमक, चीनी और सोडा युक्त चीजें लीवर से संबंधित बीमारियों का कारण बनती हैं. इसमें पिज्जा से लेकर बिस्किट और योगर्ट भी शामिल हैं. दरअसल, लजीज लगने वाली इन चीजों में फ्रुक्टोज और सिरम यूरिक एसिड का भरपूर इस्तेमाल होता और इसी की वजह से इतने स्वादिष्ट भी लगते हैं. शोधकर्ताओं के अनुसार इस तरह का खानपान मोटापे की भी वजह बन सकता है.

सेहत के लिए कमाल है भिंडी का पानी, जानें 5 बड़े फायदे

कुरकुरी भिंडी या फिर भरवां भिंडी... यह सब्जी तो खूब पसंद आती है. भिंडी के फायदे एक सब्जी के तौर पर खूब गिनाए जाते हैं. लेकिन अब जानें कि भिंडी का पानी आपकी सेहत के लिए क्या कमाल कर सकता है.

भिंडी को ओकरा के नाम से भी जाना जाता है और इसके कई स्वास्थ्य लाभ हैं. डाइटिशन डॉ. एकता बताती हैं कि भिंडी से सिर्फ 30त्न कैलोरी मिलती है. वहीं यह विटामिन सी और मैग्नीशियम का भी अच्छा सोर्स है.

अगर आप इन तत्वों को पाना चाहते हैं तो इसके लिए भिंडी के रस का सेवन करें. एक गिलास भिंडी के रस में 6 ग्राम कार्बोहाइड्रेट, 80 माइक्रोग्राम फोलेट, 3 ग्राम फाइबर और 2 ग्राम प्रोटीन मिलता है.

कई जगह भिंडी खाने के कई स्वास्थ्य लाभ बताए गए हैं. इनमें ये प्रमुख हैं-

- अस्थमा में भिंडी का सेवन फायदेमंद बताया जाता है.
- यह हमारी प्रतिरक्षा प्रणाली (इम्यूनिटी पावर) को बढ़ा देती है.
- कोलेस्ट्रॉल के स्तर को कम करने वाली बताई जाती है.
- शुगर की बीमारी में भी इसका सेवन अच्छा बताया जाता है.
- गुर्दे की बीमारी में भी भिंडी के फायदे बताए जाते हैं.

घर में ऐसे बनाएं भिंडी का रस

5-6 मीडियम आकार की भिंडी लेकर इनके किनारे काट लें. भिंडी को बीच से काट लें और फिर एक से दो कटोरी पानी में भिगो दें.

रात भर या 4-5 घंटे इनको ऐसे ही रहने दें. इसके बाद भिंडी के टुकड़े निचोड़ कर निकाल लें. फिर इसमें थोड़ा सादा पानी मिलाएं ताकि पानी की मात्रा करीब एक गिलास हो जाए.

ऐसे करें सेवन

जानकारों के अनुसार, नाश्ते से पहले इस पानी का सेवन करें.

क्या होगा भिंडी के पानी का फायदा

- इस पानी को शुगर ठीक करने वाला बताया जाता है.
- इससे वजन कम करने में भी मदद मिलती है.

- अस्थमा की समस्या में इससे आराम मिलने की बात कही जाती है.
- अपच दूर करने के लिए भी भिंडी का पानी पीने की सलाह दी जाती है.
- गुर्दे की बीमारियों में भी भिंडी का पानी फायदेमंद कहा जाता है.

हालांकि इस नुस्खे को आजमाने से पहले डॉक्टर की सलाह जरूर लें.

आयुर्वेद व होमियोपैथी के अनुभवी डॉक्टरों द्वारा घर बैठे पायें उचित परामर्श व दवाईयां

आयुष समाधान

- सभी रोगों का अनुभवी डॉक्टरों द्वारा होमियोपैथी व आर्युवेद पद्धति से इलाज किया जाता है।
- रूपये 500/- से अधिक की दवाईयों पर निःशुल्क डिलेवरी
- किसी भी प्रकार की एलर्जी का इलाज किया जाता है।
- यौन रोगियों का सम्पूर्ण इलाज किया जाता है।
- रजिस्टर्ड डायटीशियन से वजन कम करने हेतु व अपने सही डाईट प्लान हेतु सम्पर्क करें

Email: info@ayushsamadhaan.com

www.ayushsamadhaan.com

FOR MORE DETAILS & BENIFITS VISIT OUR WEBSITE FOR REGISTRATION

जानिए कैसे थे बचपन में नरेंद्र मोदी, बनने वाले थे मगरमच्छ का शिकार

मोदी का जन्म 17 सितंबर 1950 को गुजरात में हुआ था. वे कुल 6 भाई-बहन हैं, जिनमें से मोदी तीसरे नंबर के हैं. भारत के 14वें प्रधानमंत्री मोदी की आज दुनिया जितनी फैन है उतने ही अलग वे बचपन से रहे हैं. जानिए उनके बचपन से जुड़ी बातें

जब मगरमच्छ ने मोदी को निगलने की कोशिश की!

मोदी जब छोटे थे तो वे गुजरात के शार्मिष्ठा झील में अक्सर खेलने जाया करते थे. उन्हें पता नहीं था कि उस झील में मगरमच्छ काफी संख्या में हैं. एक बार एक मगरमच्छ ने खेलते हुए मोदी को पकड़ने की कोशिश की. इस दौरान उन्हें गंभीर चोटें आईं थीं. पर वे उसके चंगुल से बच निकले थे.

नाटक करना खूब पसंद था : मोदी को स्कूल के दिनों में नाटक करना खूब पसंद था. वे टीनेजर अवस्था में लोगों की मदद करने के लिए भी नाटकों में हिस्सा लिया करते थे.

आर्मी में जाना चाहते थे : नरेंद्र मोदी हमेशा से ही भारतीय सेना में जाना चाहते थे. वे जामनगर के पास बने सैनिक स्कूल में पढ़ना चाहते थे लेकिन उनके परिवार के पास स्कूल की फीस देने के लिए पैसे नहीं थे.

सुबह उठने की आदत : मोदी को बचपन से ही सुबह उठना पसंद है. चाहे कोई भी मौसम हो, वो सुबह 5 से 5.30 के बीच उठ जाते हैं. अगर वे रात को देर से साए हों तो भी सुबह उठने के अपने समय को नहीं बदलते.

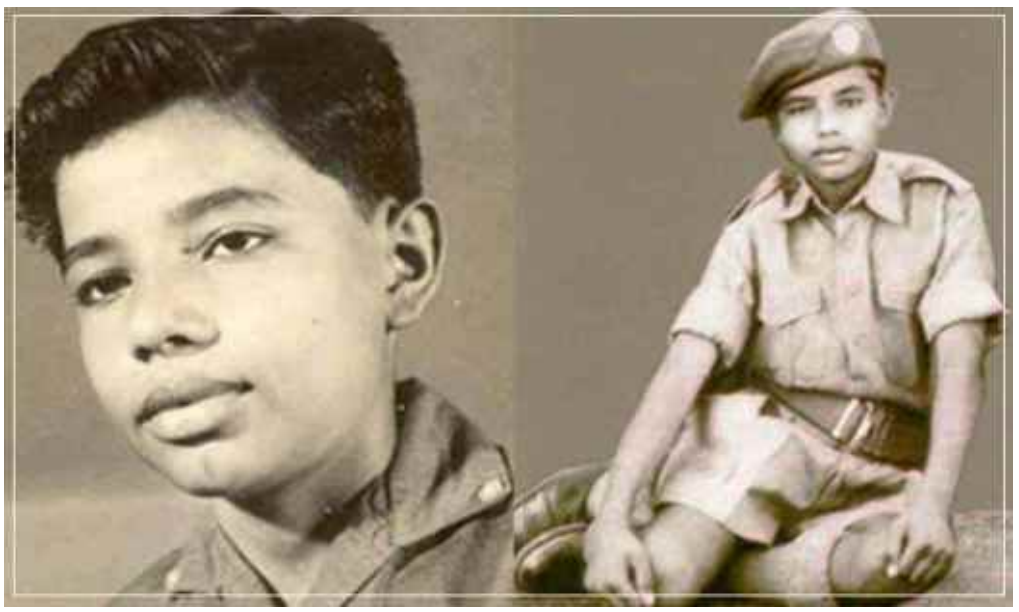

कविताएं लिखते थे : मोदी को बचपन से ही कविताएं लिखने का शौक है. उन्होंने गुजराती में कई कविताएं लिखी हैं. इसके अलावा वे फोटोग्राफी का भी शौक रखते हैं.

सन्यासी से हुए प्रभावित : मोदी जब छोटे थे तो एक दिन वे एक सन्यासी से मिले. वे उनसे इतना प्रभावित हुए कि उन्होंने युवावस्था में सन्यासी बनकर काफी भ्रमण किया.

देशभक्ति की भावना : मोदी ने 1965 के भारत-पाक युद्ध के दौरान रेलवे स्टेशनों पर जाकर सैनिकों की मदद की. उन्होंने 1967 में गुजरात में बाढ़ पीड़ितों की भी काफी मदद की थी. देश के लिए वे कुछ भी कर गुजरने को तैयार रहते हैं.

मां-पिता की मदद : मोदी के पिता वादनगर रेलवे स्टेशन पर चाय बेचते थे. मोदी को जब भी पढ़ाई से समय मिलता था तो वे अपने पिता की मदद करने दुकान पर पहुंच जाया करते थे.

अब एक साल में कई बार होगी इंजीनियरिंग प्रवेश परीक्षा...

इंजीनियरिंग के टॉप कॉलेजों में एडमिशन पाने के लिए अब एक साल में कई मौके मिलेंगे. यानी एक साल के भीतर कई बार प्रवेश परीक्षाएं आयोजित की जाएंगी. इससे उन लोगों को फायदा होगा जो JEE मेन का एग्जाम क्लीयर ना कर पाने के बाद अगले एंटेप्ट के लिए पूरे एक साल का इंतजार करते हैं.

उदाहरण के लिए अगर दिसंबर, फरवरी और अप्रैल में परीक्षा होती है तो कोई छात्र तीनों बार या इनमें से कोई एक या दो बार परीक्षा देने के विकल्प को चुन सकता है. इन तीनों टेस्ट में से जिसमें भी उसके सबसे अच्छे मार्क्स होंगे उनमें वे ऑल इंडिया रैंकिंग के लिए प्रयोग करा सकता है.

गौरतलब है कि इसी रैंकिंग के आधार पर NIT, IIT और अन्य केंद्रीय संस्थानों में एडमिशन मिलता है. खबरों के अनुसार, नेशनल टेस्टिंग सर्विस यानी NTS ही हायर एजुकेशन संस्थानों के लिए सभी एंट्रेस टेस्ट लेगी. जिसे एक साल में तीन बार इंजीनियरिंग टेस्ट आयोजित करने की परमिशन मिल गई है.

खबरों के अनुसार, JEE मेन परीक्षा अब पूरी तरह से ऑनलाइन कर दी जाएगी. फिलहाल JEE मेन ऑनलाइन या ऑफलाइन देने का विकल्प है पर एग्जाम साल में एक बार ही आयोजित किया जा रहा है.

पत्रकारिता के क्षेत्र में करना चाहते हैं रिसर्च तो यहां है मौका

अगर आप विदेश में रहकर दुनिया के किसी मुद्दे पर रिसर्च करना चाहते हैं, वह भी मुफ्त में तो आपको फेलोशिप के लिए अप्लाई करना चाहिए. इंडिया टुडे की मैग्जीन एस्पायर आपको ऐसे ही कुछ फेलोशिप के बारे में जानकारी दे रही है...

थॉम्पसन रॉयटर्स फाउंडेशन फेलोशिप फॉर जर्नलिज्म : थॉम्पसन रॉयटर्स फाउंडेशन फेलोशिप फॉर जर्नलिज्म, इंग्लैंड की ओर से विभिन्न विषयों पर रिसर्च करने के लिए जर्नलिस्ट को फेलोशिप ऑफर की जाती है. चयनित 6 कैंडिडेट को एक या दो टर्म के लिए एक लाख 24 हजार रुपये प्रति महीने दिए जाते हैं. किसी भी देश के पत्रकार अप्लाई कर सकते हैं. आवेदन की आखिरी तारीख 31 जनवरी 2017 है.

वर्ल्ड प्रेस इंस्टीट्यूट, अमेरिका की ओर से दुनियाभर से 10 पत्रकारों को फेलोशिप दी जाती है. इसमें अमेरिका की राजनीति, शासन, व्यापार, मीडिया सहित अन्य विषयों पर रिसर्च करने का मौका मिलता है. 15 फरवरी तक आप इस फेलोशिप के लिए अप्लाई कर सकते हैं. चयनित होने पर कैंडिडेट को पूरा खर्च दिया जाता है. यहां विजिट करें

Loeb फेलोशिप फॉर डिजायन : हार्वर्ड ग्रेजुएट स्कूल ऑफ डिजायन, अमेरिका की ओर से डिजायन के क्षेत्र में रिसर्च करने के लिए लोएब फेलोशिप दी जाती है. हालांकि, इस साल फेलोशिप के लिए अप्लाई करने का समय समाप्त हो चुका है. इस फेलोशिप में कैंडिडेट को रहने के अलावा खर्च की राशि भी दी जाती है.

PRACHI MATHS & SCIENCE TUTORIALS
(Exclusive Tutorial for CBSE / ICSE) (VII-VIII- IX-X)
MATHS BY PRACHI HUNDAL MADAM
(Teaching Exp. 24 Years)
SCIENCE BY SENIOR FACULTIES
(Seperate Batch for CBSE & ICSE) USP ARE
★ For Personal attention
Small Batch Size (15 to 20 Students)
★ Homely Atmosphere
Excellent Previous Result
REGISTRATION OPEN
FOR 2017 SESSION Register today
& April early bird discount
Cont.- Mob.-9406542737, 9424312779
9B, SAKET NAGAR NEAR SPS. BEHIND BSNL OFFICE

जब रोए भगवान विष्णु और वजह बनीं मां लक्ष्मी...

घर में सुख-समृद्धि के लिए मां लक्ष्मी और भगवान विष्णु की पूजा करना सबसे शुभ माना गया है. मां लक्ष्मी धन और संपन्नता की देवी हैं तो प्रभु विष्णु जगत के पालनहार हैं. दोनों की ये जोड़ी धरती के लोगों के जीवन में संतुलन बनाए रखने का काम करती है. लेकिन क्या आप जानते हैं कि एक समय ऐसा आया था जब मां लक्ष्मी की वजह से भगवान विष्णु की आंखों में आंसु आ गए थे.

मां लक्ष्मी के पूजन से जीवन बनेगा वैभवशाली

पौराणिक कथा के अनुसार एक बार भगवान विष्णु ने अपने धाम से निकलकर धरती पर जाने का विचार बनाया और जब उन्होंने इसकी तैयारी शुरू की तो मां लक्ष्मी ने उनसे पूछा की वह कहां जा रहे हैं. भगवान विष्णु ने उन्हें बताया कि वह धरती लोक पर घूमने जा रहे हैं.

ये बात मां लक्ष्मी ने भी भगवान विष्णु को उन्हें भी साथ ले जाने के लिए कहा तो भगवान विष्णु बोले की तुम मेरे साथ चल सकती हो लेकिन एक शर्त है कि तुम धरती पर पहुंचकर उतर दिशा की तरफ नहीं देखोगी.

मां लक्ष्मी ने शर्त मान ली और जैसे ही मां लक्ष्मी और भगवान विष्णु धरती पर पहुंच तो सूर्यदेव उदय ही हुए थे और रात में हुई बारिश की वजह से आसपास का हरियाली की वजह से धरती काफी खूबसूरत नजर आ रही थी. जिसके चलते वह भुल गई की उन्होंने विष्णु जी को कुछ वचन दिया है और वह उतर दिशा की तरफ मुड़ गई और उस सुन्दर बगीचे में चली गईं. मां लक्ष्मी को फूलों की भीनी-भीनी खुशबू आ रही थी और वहां से मां लक्ष्मी बिना सोचे एक फूल भी तोड़ लाईं. जब वह फूल तोड़ने के बाद वापस आईं तो भगवान विष्णु भगवान की आंखों में आंसू थे.

मां लक्ष्मी जी के हाथ में फूल देख विष्णु जी बोले बिना किसी से पूछे उसकी चीज को हाथ नहीं लगना चाहिए. इसी के साथ अपने वचन को भी विष्णु जी ने याद दिलाया जिसे मां लक्ष्मी भूल गईं थी. मां को अपनी गलती का एहसास हुआ हुआ और उन्होंने अपनी भूल के लिए क्षमा भी मांगी. भगवान विष्णु ने कहा कि तुमने गलती है और तुम्हें सजा अवश्य मिलेगी. जिस माली के खेत से तुम ये फूल बिना पूछे ले आई हो उस घर में अब तुम नौकर बनकर रहो.

भगवान विष्णु के आदेश के अनुसार मां लक्ष्मी उस माली के घर चली गई. मां लक्ष्मी ने उस समय एक गरीब औरत का रूप धारण कर लिया था. मां लक्ष्मी ने माली के घर रहकर अपनी सजा पूरी करी और जब उस माली को इस बारे में पता चला तो कि वह गरीब औरत कोई और नहीं मां लक्ष्मी हैं तो उसने मां से क्षमा मांगी और कहा कि हमने आपसे अनजाने में ही घर और खेत में काम करवाया, हे मां यह कैसा अपराध हो गया, हे मां हम सब को माफ़ कर दें. यह सुन मां लक्ष्मी मुस्कुराईं और बोलीं, हे माधव तुम बहुत ही अच्छे और दयालु व्यक्तिव हो, तुमने मुझे अपनी बेटी की तरह रखा, अपने परिवार का सदस्य बनाया. इसके बदले मैं तुम्हें वरदान देती हूं कि तुम्हारे पास कभी भी खुशियों की और धन की कमी नहीं रहेगी, तुम्हें सारे सुख मिलेंगे जिसके तुम हकदार हो. जिसके बाद मां लक्ष्मी वापस विष्णु जी के पास चली गई.?

गुरुवार को पीले कपड़े पहनने की ये है वजह...

जीवन में रंगों की एक अलग जगह है. रंग इंसान के अंदर उमंग, उत्साह, खुशी के साथ-साथ कई बार दुख, तनाव, गुस्सा भी लाते हैं. इसलिए किस दिन, कौन सा रंग पहना जाए ये जानना महत्वपूर्ण है...

सोमवार : सोमवार यानी सौम्य शीतल चंद्रमा का दिन. इसलिए इस दिन का रंग है सफेद, चमकीला या सिल्वर. इस दिन पीच, बेबी पिंक, क्रीम, आसमानी और हल्का पीला भी पहना जा सकता है लेकिन सफेद पहनना सबसे शुभ होता है. दिन को खुशनुमा व शांतिपूर्ण चाहते हैं तो सफेद के सिवा कोई दूसरा रंग न पहने.

मंगलवार : यह हनुमान जी का दिन है. उनकी मूर्तियों में भगवा रंग देखा जाता है. इसलिए इस दिन का विशेष रंग है भगवा, जिसे अंग्रेजी में ऑरेंज कलर कहते हैं. इस दिन के ग्रह %मंगल% के हिसाब से चैरी रेड या लाल के मिलते-जुलते शेड्स भी सौभाग्य लाते हैं. दुश्मन को हराना हो तो इस दिन पराक्रम बढ़ाने के लिए लाल रंग जरूर पहनें.

बुधवार : तीसरा दिन होता है देवों के देव गणपति का, जिन्हें दूर्वा सबसे ज्यादा प्रिय है. इसलिए इस दिन हरे रंग का महत्व है. बुध ग्रह स्वयं भी हरे रंग का होता है. अत: जिन लोगों की वाणी में रुकावट हो या जिनकी आवाज कर्कश हो उनके लिए हल्का हरा रंग अच्छा रहेगा. साथ ही उग्र वाणी वालों को सफेद रंग पहनना चाहिए. ज्योतिष के अनुसार चंद्र बुध की माता है और बुध के दोषों का शमन करने के लिए चंद्र को तेजस्वी बनाना चाहिए. कहने का अर्थ है कि चंद्र से बुध दबता है.

गुरुवार : यानी हफ्ते का चौथा दिन, जो बृहस्पति देव और साईं बाबा का है. बृहस्पति देव स्वयं पीले हैं, तो इस दिन का रंग है पीला. गुरुवार को पीले के अलावा सुनहरा, गुलाबी, नारंगी और पर्पल भी ट्राय कर सकते हैं. इस दिन पीले के सभी शेड ज्यादा प्रभावी हैं. इसे पहनने से दिन शुभ रहेगा.

शुक्रवार : यह सर्वव्यापी जगतजननी देवी मां का दिन होता है. इसलिए यह दिन सभी रंगों का मिक्स या प्रिंटेड कपड़ों का होता है. इस दिन विशेष रूप से गुलाबी रंग के सारे शेड्स और रंगबिरंगे फ्लोरल प्रिंटेड कपड़े पहने जा सकते हैं. लंबी धारी वाले, चैक्स और छोटी प्रिंट के कपड़े इस दिन पहनिए और सफलता हासिल कीजिए. इस दिन हमेशा साफ-सुथरे उजले कपड़े पहनना चाहिए.

शनिवार : शनि देवता को समर्पित इस दिन गहरा नीला रंग पहना जाता है. यह रंग मन के उतार-चढ़ाव का होता है. आत्मविश्वास में वृद्धि के लिए जामुनी, बैंगनी, गहरा नीला और व्यवस्थित दिन के लिए नेवी ब्लू, स्काय ब्लू उचित रहेंगे. आमतौर पर शनिवार को नौकरी और शादी की पहली बातचीत के लिए अच्छा दिन माना जाता है. शनि अगर अनुकूल हो तो स्थिरता देते हैं. अत: इस दिन नीले के सारे शेड आपको सफलता देंगे.

रविवार : सूर्य की उपासना के इस दिन गुलाबी, सुनहरे और संतरी (ऑरेंज) रंग का विशेष महत्व है. इस दिन नए कपड़े नहीं पहनने की सलाह दी जाती है. खिले-खिले रंगों के पुराने परिधानों को रविवार के दिन पहनने से सप्ताह भर की थकान दूर हो जाती है.

शनि दोष शांत करने में मदद करेंगे बजरंगबली

कहा जाता है कि हनुमान जी की कृपा आप पर हो तो सारे बिगड़े काम बन जाते हैं. मंगलवार को हनुमान जी की पूजा करना सर्वोत्तम माना जाता है.

हनुमान जी की पूजा करने से स्वास्थ्य, नकारात्मक उर्जा, घर-परिवार संबंधी समस्याओं का निदान होता है. लेकिन यदि आपके बिगड़े काम नहीं बन रहे या कोई ग्रह दोष है तो ये आसान उपाय अपनाइए:

हर कष्ट को दूर करने वाले हैं हनुमान जी के 12 नाम

1. अगर आपको किसी बात का तनाव है तो 7 दिन तक लगातार 100 बार हनुमान चालीसा पढ़ें.

2. अगर कोई ग्रह दोष है तो हर मंगलवार और शनिवार काला चना और गुड़ हनुमान जी के मंदिर में प्रसाद के रूप में बांटे.

3. अगर शनि दोष है तो शनिवार को हनुमान जी को चोला चढ़ाएं.

4. धन प्राप्ति के लिए अपना मुंह दक्षिण की ओर कर के सात दिन तक पीपल के पेड़ के नीचे बैठकर हनुमान चालीसा पढ़ें.

5. अगर आपको स्वास्थ्य संबंधी समस्या है तो हर मंगलवार हनुमान जी को चोला के साथ चमेली का तेल, सिंदूर और चना चढ़ाएं.

रविवार को ये करने से आप बन सकते हैं अमीर, जानें कैसे...

रविवार को सूर्य का दिन माना जाता है. सूर्य देव यश और वैभव के देवता हैं. इनकी पूजा कर धन-धान्य, सुख-समृद्धि हासिल की जा सकती है.

अगर आप अपनी आर्थिक परेशानियों से तंग आ गए हैं. लाख कोशिशों के बावजूद हाथ पैसा रुक नहीं रहा है और समाज में लोग आपको सम्मान की दृष्टि से नहीं देखते तो रविवार को किया गया ये उपाय आपको धन और सम्मान दोनों दिला सकता है... जानिये क्या है वो उपाय...

हो रहा है सूर्य का राशि परिवर्तन

रविवार की रात सोते समय एक गिलास दूध भरकर अपने सिरहाने रखें और सो जाएं.

गिलास रखते हुए इस बात का ख्याल रखें कि नींद में आपके हाथ से दूध गिरे नहीं.

सूर्य की कृपा से संवर जाएगा जीवन सारा!

सुबह उठकर नहाने के बाद इस दूध को ले जाकर किसी बबूल के पेड़ की जड़ में डाल दें.

हर रविवार को यह उपाय करने से आपकी आर्थिक परेशानी दूर हो जाएगी और आपको सुख-समृद्धि हासिल होगी.

फिल्म समीक्षा : जॉली एलएलबी 2

भोपाल, अजय सिसौदिया (फिल्म समीक्षक)

राइटर-डायरेक्टर सुभाष कपूर ने फिल्म के लिए खूब रिसर्च की है। वह भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) और कानून के वीरबांकों के बारे में अच्छी समझ और पकड़ रखते हैं। इसी थीम पर उनकी पिछली फिल्म जहां हिट एंड रन केस पर आधारित थी, वहीं इस बार मामला जम्मू-कश्मीर के एक आतंकी के गलत पहचान का है।

फिल्म का प्लॉट आपको बांधे रखता है। खासकर फर्स्ट हाफ बहुत तेज असर करता है। आपको दिल खोलकर हंसने का मौका मिलता है। भावुक होने का मौका मिलता है और साथ ही कई दफा सोचने का भी मौका मिलता है। कोर्टरूम के अंदर और बाहर आपको जरूरत के हिसाब से पूरा एक्शन मिलता है।

अक्षय ने बहुत बढ़िया काम किया है और अरशद वारसी से हटकर इस जॉली को अपना टच दिया है. अक्षय कुमार फिल्म में गिरगिट की तरह रंग बदलते हैं। वह यह दिखाते हैं कि एक सड़क से उठकर आया आदमी स्मार्ट वकील है। उसने भले ही कानूनी दांवपेच की किताबें कम पढ़ी हों, लेकिन उसने कोर्टरूम और अदालत की गलियों के बीच बहुत कुछ सीखा है। अन्नू कपूर भी हमेशा की तरह शानदार हैं. लेकिन सबसे ज्यादा तालियां बटोर ले जाते हैं जज बने सौरभ शुक्ला, जो पिछले जॉली से इस जॉली का नाता जोड़ने वाली एकमात्र कड़ी भी हैं.

पता नहीं डायरेक्टर सुभाष कपूर की क्या मजबूरी थी कि उन्होंने इतनी अच्छी फिल्म में एक वाहियात 'होली सॉन्ग' डाल दिया, जो फिल्म की कहानी पर ब्रेक लगाने का काम करता है.

असल में, इस फिल्म में किसी भी गाने की कोई जरूरत ही नहीं थी. देशभक्ति पर लेक्चरबाजी भी कुछ ज्यादा लगती है और कोर्ट रूम के दृश्यों की ड्रामेबाजी भी! जॉली के बनियान पर डॉलर बिग बॉस का विज्ञापन दिखाना भी शर्मनाक लगता है.

कुल मिलाकर, अगर हम इन थोड़े से झोल-झालों को नजरअंदाज कर दें तो फिल्म अच्छी है और शुरु से अंत तक आपको बांधे रखती है. सुभाष कपूर ने इस विषय पर काफी रिसर्च और मेहनत की है और दर्शकों की तालियों के रूप में उन्हें उस मेहनत का फल भी मिला है.

देश के रेलमंत्री रहे ललित नारायण मिश्र की जनवरी, 1975 में समस्तीपुर रेलवे स्टेशन पर आयोजित एक सरकारी समारोह के दौरान बम विस्फोट द्वारा हत्या कर दी गई थी.

अब चार दशक के लंबे अरसे के बाद कुछ आरोपियों को दोषी करार दिया गया है, वह भी निचली अदालत द्वारा. अभी इन दोषियों के पास उच्च अदालतों में जाने के पूरे विकल्प खुले हुए हैं. खुद ही अंदाजा लगाया जा सकता हैं कि जब निचली अदालत का फैसला आने में 40 वर्ष का समय लग गया, तो उच्च अदालतों का फैसला आने में कितना वक्त लगेगा!

इस मामले ने एक बार फिर से भारतीय न्याय व्यवस्था की गतिहीनता पर सवालिया निशान लगाए हैं. जब एक कैबिनेट मंत्री की हत्या के मुकदमे का फैसला, वह भी निचली अदालत से, 40 साल बाद आता है, तो आम लोगों से जुड़े मुकदमों की स्थिति का अंदाजा सहजता से लगाया जा सकता है. अक्सर कहा जाता है कि देरी से मिला न्याय, अन्याय के ही समतुल्य होता है. बावजूद, देश में मुकदमों के जल्द निपटारे हेतु कारगर कदम नहीं उठाए जा रहे हैं. आये दिन देश के कानून मंत्री एवं न्यायाधीशगण न्याय मिलने में हो रहे विलंब को लेकर चिंता जताते हैं, लेकिन फिर भी नतीजा सिफर ही रहता है. वर्तमान में देश की अदालतों में 3.3 करोड़ से ज्यादा मामले लंबित हैं. सर्वोच्च न्यायालय में 70 हजार के करीब मामले लंबित हैं एवं उच्च न्यायालयों में इनकी संख्या 45 लाख है, जबकि निचली अदालतों में 2.7 करोड़ मामले लंबित हैं.

प्रतिदिन मुकदमों की बढ़ती संख्या और निपटारे की घटती गति को देखते हुए आशंका है कि 2025 तक न्यायालयों में लंबित मामलों की संख्या 15 करोड़ हो जाएगी जिसके निपटारे में तकरीबन 450 वर्षों का समय लगेगा. यह कहना गलत न होगा कि न्याय में विलंब के कारण लोगों का विश्वास भारतीय न्याय व्यवस्था से उठने लगा है. कई मामले ऐसे भी देखने को मिलते हैं जो पीढ़ियों से चले आ रहे हैं. हालत यह है कि लोग अपने बाप-दादा के जमाने के मुकदमे अभी तक झेल रहे हैं. न्याय में इसी विलंबता के चलते जेलों में विचाराधीन कैदियों की संख्या भी दिनोंदिन बढ़ती जा रही है. वर्तमान में भारतीय जेलों में तकरीबन 4.5 लाख लोग बंद हैं, जिनमें से तीन लाख केवल इसलिए बंद हैं कि उनके मुकदमे न्यायालयों में विचाराधीन हैं. कई बार ऐसा भी देखने को मिलता है कि इसी वजह से न जाने कितने बेगुनाह लोग अपनी जिंदगी जेल की सलाखों के पीछे ही गुजार देते हैं. कई बार पूरी जिंदगी कैद में बिताने या यमलोक सिधारने के बाद फैसला आता है कि वह व्यक्ति बेकसूर था.

अभी कुछ महीने पहले दुनिया के सभी देशों की न्यायिक प्रणाली पर नजर रखने वाले विश्व न्यायिक संगठन ने भी वैश्विक न्याय सूचकांक जारी करते हुए भारत में लचर न्याय व्यवस्था पर चिंता जताई है. प्रश्न उठना स्वाभाविक है कि इस लचर न्यायिक प्रणाली के लिए कौन जिम्मेदार है. भारत में लेटलतीफ न्यायिक व्यवस्था के लिए कई कारक जिम्मेदार हैं. देश में आबादी के अनुपात में न्यायाधीशों की तादाद में काफी कमी है.

अमेरिका में दस लाख की आबादी पर 135 न्यायाधीश हैं, कनाडा में 75, ऑस्ट्रेलिया में 57 और ब्रिटेन में 50 न्यायाधीश हैं; जबकि भारत में इनकी संख्या महज 13 है. इसके बावजूद अदालतों में न्यायाधीशों के पद सालों साल खाली पड़े रहते हैं. आंकड़ों के मुताबिक वर्तमान में उच्चतम न्यायालय, उच्च न्यायालयों एवं अधीनस्थ न्यायालयों में जजों के तकरीबन 4,655 पद रिक्त पड़े हैं. एक तरफ अदालतों में मुकदमों का अंबार लगता जा रहा है, तो दूसरी ओर अदालतों में न्यायाधीशों की नियुक्ति ही नहीं की जा रही है. ऐसी स्थिति में लंबित मुकदमों के निपटारे एवं त्वरित न्याय की कल्पना कैसे की जा सकती है? मै इस सार्थक फ़िल्म को 5 में से 3 स्टार देता हूँ।

SWATI
Tution Classes
Don't waste time Rush
Immediately for
Coming Session 2017-2018
Personalized
Tution
up to
7th Class
for
All Subjets
Special Classes
for
Sanskrit
Contact: Swati Tution Classes
Sagar Premium Tower, D-Block, Flat No. 007
Mobile : 9425313620, 9425313619

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक : पराग वराडपांडे द्वारा राष्ट्रीय हिन्दी मेल, प्लॉट नम्बर-3, लिंक रोड नम्बर-3, पत्रकार कॉलोनी के पास, भोपाल - म. प्र से मुद्रित कराकर, प्लाट नं. -12, सेक्टर-ए, परस्पर सोसायटी चूनाभट्टी, कोलार रोड, भोपाल से प्रकाशित। सम्पादक: पराग वराडपांडे, मो. 9826051505,आर.एन.आई. नं. MPHIN/2015/66655, editor@trikaldrishti.com (विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा।)